भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1558 का उत्तर

रेलवे में नकद की कमी

1558. श्री एन. रेड्डप्पः

डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंताः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे नई परियोजनाएं शुरू करने और प्रत्येक ज़ोन में वर्तमान परियोजनाओं को भी पूरा करने के लिए नकद की गंभीर कमी से प्रभावित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): इस समय, भारतीय रेल ने 6.75 लाख करोड़ रु. लागत से 49,069 किमी लंबाई की 498 रेल परियोजनाओं को शुरू किया है, जोकि निष्पादन/योजना/स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से, 8,979 किमी की लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2019 तक 1.54 लाख करोड़ रु. व्यय किया गया है।

उपरोक्त परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:-

3.87 लाख करोड़ रु. की लागत से 21,295 किलोमीटर की 188 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 2,622 किमी की लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2019 तक 85,536 करोड़ रु. खर्च किए गए हैं।

56,135 करोड़ रु. की लागत से 7,275 किलोमीटर की 55 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिनमें से 3,573 किमी की लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2019 तक 19,640 करोड़ रु. खर्च किए गए हैं।

2.32 लाख करोड़ रु. की लागत से 20,500 किलोमीटर की 255 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 2,784 किमी की लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2019 तक 48,342 करोड़ रु. खर्च किए गए हैं।

2009-14 में नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण परियोजनाओं में औसत वार्षिक व्यय 11,527 करोड़ रु. था, जिसमें 2014-19 के दौरान 26,022 करोड़ रु. की वृद्धि हुई, जोकि 2009-14 की औसत से 126 प्रतिशत अधिक है।

इसके अतिरिक्त, 2019-2020 के लिए बजट आबंटन 30,198 करोड़ रु. है, जो कि 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 162 प्रतिशत अधिक है।

परियोजना-वार निधियों का आबंटन और व्यय का ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.indianrailways.gov.in> Ministry of Railways> Railway Board > about Indian Railway > Railway Board Directorate > Finance (Budget) के पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं।

परिचालनिक आवश्यकता के मद्देनजर, थ्रूपुट वृद्धि वाली परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई है और केन्द्रीकृत दृष्टिकोण के साथ, परियोजनाओं को अति महत्वपूर्ण परियोजनाओं (58 अदद), महत्वपूर्ण परियोजनाओं (68 अदद) और अन्य थ्रूपुट वृद्धि वाली परियोजनाओं (130 अदद) में बाटा गया है।

इस समय, अधिक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शेष लंबाई 2347 किमी, महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शेष लंबाई 5676 किमी और अन्य दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए शेष लंबाई 9703 किमी है। इन परियोजनाओं के लिए थ्रो-फारवर्ड 1.84 लाख करोड रु. का है और इनके शीघ्र निष्पादन करने और रेलवे के लिए शीघ्र प्रतिफल प्राप्त करने हेतु रेलवे द्वारा पूरी ईमानदारी से केन्द्रीकृत दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

क्षमता संवर्धन संबंधी परियोजनाओं आदि के लिए 1.5 लाख करोड़ रु. के ऋण द्वारा संस्थागत वित्तपोषण की व्यवस्था की गई है, जिससे अनिवार्य परियोजनाओं के लिए समर्पित निधि व्यवस्था से रेलवे की क्षमता में वृद्धि हुई है।

*****